



अगर आप औपचारिक खिताब चाहते हैं तो यह 2025 तक संभव है। कोई भी सरल रास्ता नहीं है जो हमें तैयार होने के लिए पर्याप्त समय दे। इससे कई चीजें जुड़ी होती हैं।

- विश्वनाथन आनंद

पूर्व शतरंज चैम्पियन, भारत के विश्व शतरंज चैम्पियन बनने को लेकर।



आज का खिलाड़ी



भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी की डगर आसान नहीं है लेकिन गुरुवार से शुरू हो रहे दलीप ट्रॉफी में वह पूर्वोत्तर क्षेत्र की टीम के खिलाफ जब अनुभवी खिलाड़ियों से सजी पश्चिम क्षेत्र की टीम की अगुवाई करेंगे तो उनका ध्यान अपनी प्रक्रिया (खेल का

क्या आप जानते हैं? ... टेस्ट मैच में लगातार पगवाधा आउट होने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के डब्लू वाटसन के नाम है। वाटसन सात पारियों में लगातार पगवाधा आउट हुए थे।

अजिंक्या रहाणे

राष्ट्रदूत जयपुर, 8 सितम्बर, 2022

तरीका)' पर बने रहने पर होगा। भारतीय धरेलू क्रिकेट सत्र की शुरुआत दलीप ट्रॉफी के साथ ही रही है जिसे पहले की तरह क्षेत्रीय प्रारूप में खेला जायेगा। खिलाड़ियों की प्रतिष्ठा और अनुभव को देखें तो दोनों टीम के बीच कोई खेल नहीं है।

भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से रौंद कर सैफ चैम्पियनशिप में किया शानदार आगाज

नयी दिल्ली, 7 सितंबर। गत चैम्पियन भारत ने काठमांडू के दशरथ स्टेडियम में सैफ (दक्षिण एशिया फुटबॉल महासंघ) महिला चैम्पियनशिप में बुधवार को पाकिस्तान को 3-0 से हराकर अपने अभियान की विजयी शुरुआत की। इस जीत के साथ ही चैम्पियनशिप में भारत के अजेय क्रम का सिलसिला 27वें मैच में भी जारी रहा। प्रतिद्वंद्वी कप्तान मारिया जमील खान के आत्मघाती गोल के बाद डेगमैट प्रेस के शानदार गोल से भारत ने मध्यंतर से पहले ही 2-0 की बढ़त के साथ मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी। आखिरी क्षणों में सौम्या गगुलोथ के गोल से भारत ने जीत के अंतर को 3-0 कर दिया। भारतीय टीम ने मैच में शुरुआत से ही दबदबा बना लिया था लेकिन टीम के गोल का खाता किस्मत के सहारे खुला। पाकिस्तान की कप्तान मारिया जमील खान ने 15वें मिनट में आत्मघाती गोल कर अपनी टीम पर दबाव और बढ़ा दिया।

राज्य स्तरीय सीनियर वुमेन टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता आज

जयपुर, 7 सितंबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन बीसीसीआई के आगामी धरेलू क्रिकेट सत्र 2022-23 के विभिन्न आयु वर्ग की क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संघर्षातित के चयन हेतु राज्य के विभिन्न जिला क्रिकेट केंद्रों पर प्रतियोगिताएं आयोजित कर रहा है। आरसीए सचिव महेंद्र शर्मा के अनुसार आरसीए 8 सितंबर से जयपुर, भीलवाड़ा व झुंझुनू जिलों में विभिन्न मैदान पर राज्य सीनियर महिला 20 क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है जिसमें प्रतिदिन 12 मैच खेले जाएंगे। शर्मा के अनुसार आरसीए 8 सितंबर से जयपुर के साथ उदयपुर, बांसवाड़ा, हनुमानगढ़ जिला केंद्रों पर राज्य स्तरीय सीनियर कोल्चीन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है जिसमें प्रतिदिन 16 मैचों का आयोजन किया जाएगा।

हॉकी राजस्थान के चुनाव आज

जयपुर, 7 सितम्बर। हॉकी राजस्थान की साधारण सभा की बैठक 8 सितम्बर को करौली में होगी। जिसमें हॉकी राजस्थान के चुनाव होंगे। बैठक हॉकी राजस्थान के अध्यक्ष अरुण कुमार सारस्वत की अध्यक्षता में एवं निर्वाचन अधिकारी ओम प्रकाश शर्मा की देखरेख में आयोजित होगी। बैठक में हॉकी इंडिया के पर्यवेक्षक राजेश चौधरी, राजस्थान राज्य क्रोडा परिषद के पर्यवेक्षक डॉ. दिनेश चौधरी एवं राजस्थान राज्य ओलम्पिक संघ के पर्यवेक्षक डॉ. रमेश इंदोलिया की उपस्थिति में आयोजित बैठक में आगामी 4 वर्र्षों 2022 से 2026 के लिए नई कार्यकारिणी के चुनाव होंगे।

एशिया कप: अफगानिस्तान के खिलाफ कमियां दूर करने उतरेगा भारत

दुबई, 7 सितंबर। फाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप सुपर चार में गुरुवार को यहां अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में टी20 विश्वकप से पहले अपनी कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम सुपर चार चरण में अभी तक अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पाई है। इसके अलावा पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ लगातार हार के लिए संसाधनों की कमी और खराब टीम चयन को भी दोषी ठहराया जा सकता है।

वर्तमान भारतीय टीम की रणनीति में लचीलापन का अभाव दिखता है और ऐसे में कोच राहुल द्रविड़ की नीतियों पर भी उंगलियां उठाने लाजमी है। ऐसा लगता है कि द्रविड़ टीम चयन के मामले में कुछ कड़े

फैसले लेने के लिए आतुर हैं क्योंकि टीम के पास किसी भी रणनीति के लिए दूसरी योजना नजर नहीं आती है। ऐसी परिस्थितियों में उसे उस अफगानिस्तान का सामना करना है जिसके पास राशिद खान, मुजीब जादरान, मोहम्मद नबी, हजरतुल्लाह ज़ज्रई और रहमानुल्ला गुरबाज जैसे टी-20 के दमदार खिलाड़ी हैं। यह एक ऐसी टीम है जो कि अपने 'पावर हिटर' के दम पर 170 रन के लक्ष्य को भी हासिल कर सकती है और राशिद जैसे गेंदबाज की अगुवाई में विपक्षी टीम को कम स्कोर पर भी रोक सकती है। इस टीम के खिलाफ एक ही बात जाती है कि उसे लगातार बड़ी टीमों का सामना करने का मौका नहीं मिलता है। उसके पास अनुभव की कमी है। लेकिन टी-20 ऐसा प्रारूप है

जिसमें एक खिलाड़ी मैच का परिदृश्य बदल सकता है। अफगानिस्तान के पास कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो अकेले दम पर मैच का पासा पलट सकते हैं। जहां तक भारत का सवाल है तो मुख्य कोच द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने और अन्य विकल्पों को आजमाने में दिलचस्पी नहीं दिखाई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि दिनेश कार्तिक को ऋषभ पंत या दीपक हुड्डा की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जाता है या नहीं। हुड्डा को श्रीलंका के खिलाफ सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया और बाद में उन्हें गेंदबाजी भी नहीं सौंपी गई। ऐसे में हुड्डा को टीम में शामिल करने के फैसले पर सवाल उठने लग गए। इसके अलावा श्रीलंका के

खिलाफ मैच से यह भी साबित हो गया कि भारत पांचवें विशेषज्ञ गेंदबाज के रूप में हार्दिक पंड्या पर ही निर्भर नहीं रह सकता है जिन पर ऑलराउंडर की अपनी भूमिका निभाने के लिए काफी दबाव है। बल्लेबाजों में रोहित ने पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ सकारात्मक रवैया अपनाकर अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन कप्तान से शीर्ष तीन में बल्लेबाज की उम्मीद की जा रही है। भारत का पिछले दो मैचों में हार का कारण अनुभवी धुवनेश्वर कुमार की डेथ ओवरों की खराब गेंदबाजी रही। उन्होंने दोनो मैचों में 19वें ओवर में काफी रन लुटाए जिसके कारण दोनों मैच में युवा अर्शदीप सिंह को आखिरी ओवर में सारा रन बचाने की मुश्किल चुनौती का सामना करना पड़ा।

करीबी मैच में अफगानिस्तान की पाकिस्तान से हार के साथ भारत एशिया कप से बाहर

शारजाह, 7 सितंबर। पाकिस्तान ने नसीम शाह (14 नादान) के आखिरी दो गेंदों पर दो छक्कों की बदौलत अफगानिस्तान को एशिया कप के करीबी मैच में बुधवार को एक विकेट से हराया। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 20 ओवर में 130 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उन्होंने नौ विकेट गंवाकर 19.2 ओवर में हासिल कर लिया। पाकिस्तान को आखिरी तीन ओवर में 25 रन चाहिये थे, लेकिन 18वें ओवर में मोहम्मद नवाज और खुशदिल शाह का विकेट गिरने के बाद मैच अफगानिस्तान की झोली में आ गया। 19वें ओवर में हारिस रउफ और आसिफ अली के आउट होने पर पाकिस्तान नौ विकेट गंवा चुका था, जबकि उसे छह गेंदों में 11 रनों की दरकार थी। 10वें नंबर के बल्लेबाज नसीम शाह ने यहां 20वें ओवर की पहली दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर पाकिस्तान को जीत दिलायी। एशिया कप के फाइनल में पहुंचने के लिये भारत की उम्मीदें अफगानिस्तान पर निर्भर थीं, और उसकी हार के साथ भारत का एशिया कप अभियान भी समाप्त हो गया।

अफगानिस्तान ने दूसरी पारी के पहले ओवर में ही कप्तान बाबर आजम का विकेट लेने के साथ पाकिस्तान पर दबाव बनाया शुरू कर दिया। बाबर एशिया कप में पहली गेंद पर आउट होने वाले पहले पाकिस्तानी कप्तान बने। फखर जमान (05) नजीबुल्लाह जादरान के शानदार श्रो की बदौलत रन आउट हो गये।

मोहम्मद रिजवान (20) का विकेट गिरने के बाद इफ्तिखार अहमद और शादाब खान ने पाकिस्तान की पारी को पटरी पर लाते हुए चौथे विकेट के लिये 42 रन की साझेदारी की। इफ्तिखार ने 33 गेंदों पर 30 रन बनाये और पारी की रफ्तार बढ़ाने के प्रयास में कैच आउट हो गये। अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी ने 17वां ओवर राशिद खान को सौंपा जिन्होंने 26 गेंदों पर 36 रन बनाये वाले शादाब का बहुमूल्य विकेट निकाला। इसके बाद पाकिस्तान ने त्विचर अंतराल पर विकेट गंवाये। 18वें ओवर में फारूकी ने मोहम्मद नवाज (04) और खुशदिल शाह (एक) को आउट किया जबकि 19वें ओवर में फरीद अहमद ने हारिस रउफ और आसिफ अली (16) को पवेलियन लौटाया।

लगातार 13वीं जीत के साथ सेमीफाइनल में गार्सिया

न्यूर्यॉक, 7 सितंबर। फ्रांस की केरोलीन गार्सिया ने अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए अमेरिका की कोको गाॅफ को हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। गार्सिया ने मंगलवार को क्वार्टरफाइनल मुकाबले में गाॅफ को 6-3, 6-4 के सीधे सेटों में हराकर लगातार 13वीं जीत दर्ज की। यह किसी बड़े आयोजन में गार्सिया का पहला सेमीफाइनल है, जहां वह टयन्वृत्तीयता की ऑनस जब्बोर का सामना करेंगी।

2017 के बाद अपना पहला बड़ा क्वार्टरफाइनल खेलते हुए गार्सिया ओपन एरा में यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली तीसरी फ्रांसीसी महिला बन गयीं। इनसे पहले फ्रांस की अमेली मारिस्मो (2002, 2006) और मैरी पीयर्स (2005) ऐसा कर चुकी हैं। गार्सिया मंगलवार रात गाॅफ के खिलाफ तीसरे मुकाबले में अपनी पहली जीत तलाश रही थीं। इससे पहले दोनों खिलाड़ी दोहा में आमने-सामने आयी थीं जहां गाॅफ ने बाजी मारी थी।

गार्सिया ने जीत के बाद कहा, "यह बहुत ही करीबी मैच था। हम पॉइंट, हर गेम बहुत मुश्किल था। आज मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूँ कि मैं मुकाबले में अपनी भावनाओं को काबू में रख पाई।" गाॅफ भी शानदार फॉर्म में चल रही थीं और उन्होंने क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिये चीन की झांग शुआई को हराया था, लेकिन वह गार्सिया की बाधा को पार नहीं कर सकीं। दिन के दूसरे क्वार्टरफाइनल में टयन्वृत्तीयता की ऑनस जब्बोर ने ऑस्ट्रेलिया की अजला टॉमलानोविक को 6-4, 7-6 (4) से मात दी।

खचानोव ने किर्गियोस को हराकर सेमीफाइनल में कदम रखा

न्यूर्यॉक, 7 सितंबर। रूस के कोरेन खचानोव ने करीबी मुकाबले में एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस को हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनायी। 27वीं सीड खचानोव ने तीन घंटे 39 मिनट चले क्वार्टरफाइनल में किर्गियोस को 7-5, 4-6, 7-5 6-7 (3) 6-4 से हराया। रूसी खिलाड़ी ने जीत के बाद कहा, शुरू से अंत तक यह एक शानदार प्रदर्शन था। मैं वहां अंत तक रहा और अपने मौकों का इंतजार किया। मैंने कुछ मौके बनाये भी। मैं बेहद खुशी, बेहद गौरवान्वित हूँ कि मैं मैच को

समाप्त कर पाया। मैच पॉइंट के लिये सर्विस करना कभी आसान नहीं होता है। मैं खुश हूँ कि मैं ऐसा करके अपने पहले सेमीफाइनल में जगह बना पाया। छब्बीस वर्षीय खचानोव साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत एटीपी लाइव रैंकिंग में 13 पायदान की छलांग लगाकर 18वें स्थान पर आ गये हैं। अगर वह टूर्नामेंट जीतते हैं तो शीर्ष-10 में भी पहुंच सकते हैं। दूसरी ओर, किर्गियोस ने भी ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले एलेक्स डी मिनीर को पछाड़ कर 19वां स्थान हासिल कर लिया है। किर्गियोस ने हार के

बाद कहा, बेशक, मैं निराश हूँ लेकिन सारा श्रेय कोरेन को जाता है। वह एक योद्धा है। मेरे अनुसार उन्होंने आज बहुत अच्छी सर्विस की। सच कहूँ तो मैंने इस टूर्नामेंट में जिन खिलाड़ियों का सामना किया उनमें शायद यह सर्वश्रेष्ठ सर्विस वाले हैं। खचानोव का सामना सेमीफाइनल में नॉर्वे के कैस्पेर रूड से होगा, जो गत चैम्पियन दानिल मेदवेदेव और 22 वर्र्ष के ग्रैंड स्लैम विजेता राफेल नडाल के बाहर होने के बाद एटीपी की शीर्ष रैंकिंग बनने के प्रयास में है। रूड ने दिन के पहले क्वार्टरफाइनल में इटली के मेटियो बेरेट्टी को 6-1, 6-4, 7-6 (4) से हराया।

लेनी होगी जिम्मेदारी : रोहित

दुबई, 7 सितम्बर। श्रीलंका के हाथों सुपर फोर चरण के मैच में छह विकेट से मिली हार के बाद एशिया कप से बाहर होने की कगार पर खड़ी गत चैम्पियन भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनकी टीम 10 . 15 रन पीछे रह गई। जीत के लिये 174 रन का लक्ष्य श्रीलंका ने एक गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। भारत के लिये रोहित (41 गेंद में 72 रन) को छोड़कर कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। रोहित ने मैच के बाद कहा, " हमें 10 . 15 रन और बनाने चाहिये थे। बल्लेबाजों को जिम्मेदारी से खेलना होगा और शॉट्स चयन में सतर्क रहना होगा।" उन्होंने कहा, " यह टीम लंबे समय से अच्छा खेल रही थी। इस तरह की हार से एक टीम के रूप में सीखने को मिलेगा।" उन्होंने अपने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा, " जिस तरह की शुरुआत श्रीलंका ने की थी, हमारे गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। स्पिनरों ने काफी आक्रामक गेंदबाजी की लेकिन श्रीलंका ने दबाव का बखूबी सामना किया।" श्रीलंका के कप्तान और 'प्लेयर ऑफ द मैच' दासुन शनका ने कहा, " ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास जबर्दस्त है। दिलशान और तीक्ष्णा ने बेहतरीन गेंदबाजी की। पहले मैच के बाद अपनी गलतियों से सबक लेकर खेला।" उन्होंने कहा, " पाथुम और कुसल ने टीम को अच्छी शुरुआत की जिसे मैंने और राजपक्ष ने आगे बढ़ाया।

राजधानी

गहलोत, आचार्य प्रमोद व संयम लोढ़ा ने जन्मदिन पर सचिन पायलट को बधाई दी

जयपुर, (का.प्र.) राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के जन्मदिन से 1 दिन पूर्व जहां जयपुर में पूरे राजस्थान से आए उनके समर्थकों का जमावड़ा रहा और उन्होंने अपने नेता को जन्मदिन पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। वहीं जन्मदिन 7 सितंबर बुधवार को बड़ी संख्या में पक्ष- विपक्ष के नेताओं की ओर से बधाइयों का सिलसिला जारी रहा। इस सिलसिले में ऑस्ट्रेलिया के भारत में हाई कमिश्नर बैरी ओ फॉरेल से लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और हमेशा कटाक्ष की भाषा बोलने वाले मुख्यमंत्री के सलाहकार निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने बधाइयां दी। प्रियंका गांधी के नजदीकी और हमेशा ही सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की पैरवी करने वाले आचार्य प्रमोद कृष्णन ने लिखा है कि "भावी

मुख्यमंत्री को जन्म दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनायें..... जय श्री कल्कि, जय जय परशुराम!" मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट को बधाई देते हुए लिखा "मैं आपके सुखी और लंबे स्वस्थ जीवन की कामना करता हूँ।" राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी अजय माकन ने लिखा "सचिन पायलट को जन्मदिन के अवसर पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं। आपके सफल भविष्य, अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करता हूँ।" विधायकसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने पायलट को बधाई देते हुए लिखा "टॉक विधायक व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूँ।" राज्य के पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा

■ **आचार्य प्रमोद कृष्णन ने लिखा "भावी मुख्यमंत्री को जन्म दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनायें...जय श्री कल्कि, जय जय परशुराम"**

ने लिखा "पूर्व उप-मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं टॉक विधायक सचिन पायलट को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना करता हूँ।" खेल और युवा मामलों के मंत्री अशोक चांदा ने बधाई में कहा "राजस्थान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन

पायलट को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं। बाबा भोलेनाथ से आपके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूँ।" वहीं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने लिखा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और राजस्थान के पूर्व उप-मुख्यमंत्री सचिन पायलट को जन्मदिन के अवसर पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना करता हूँ। युवा कांग्रेस ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बीबी श्रीनिवास ने लिखा कि राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। मुख्यमंत्री के सलाहकार और निर्दलीय विधायक

संयम लोढ़ा ने सचिन पायलट को जन्मदिन पर बधाई देते हुए लिखा "आप हमेशा यूँ ही मुस्कुराते रहें।" राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बधाई देते हुए लिखा "पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान कांग्रेस, सचिन पायलट को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूँ। इनके अलावा शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, कांग्रेस के पूर्व सांसद नवीन जिंदल, राजस्थान भाजपा विधायक दल के उप नेता राजेंद्र राठीइ, विधायक रामलाल शर्मा सहित राजस्थान के अनेक विधायकों, बॉर्डर गिर्नामें के अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं ने भी सचिन पायलट जन्मदिन पर बधाइयां दी है।

अन्याय के खिलाफ किसान आवाज उठायें : चन्द्रशेखर

जयपुर। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री ओ.पी. यादव ने बताया कि भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय, जयपुर में प्रदेशाध्यक्ष हरिरामरणवां की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी रामनरेश तिवारी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मोर्चा प्रदेश प्रभारी नारायण सिंह देवल का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ एवं प्रदेश स्तरीय बैठक में मोर्चे के प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिलाध्यक्ष, कांग्रेस प्रभारी, जिला प्रभारी, सोशल मीडिया प्रदेश टीम एवं सोशल मीडिया जिला प्रभारी उपस्थित रहे।

■ **कांग्रेस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जामाफी की जायेगी, जिसका किसान आज भी कर रहा इंतजार: हरिराम रणवां**

पदाधिकारियों से आ न किया कि वह अपने-अपने ग्राम स्तर पर संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ, किसान विरोधी इस कांग्रेस सरकार में किसानों के साथ हो रहे अन्याय एवं अन्यायचारों के खिलाफ आवाज उठावें। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां ने बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जामाफी की जायेगी, जो अभी तक नहीं की गई। आज भी किसान अपनी पूर्ण कर्जामाफी का इंतजार कर रहा है। कांग्रेस द्वारा प्रदेश में सरचार्ज, फ्यूल चार्ज ना बढ़ाने का वादा किया था, लेकिन कांग्रेस की सरकार बनते ही बिलों में वृद्धि करके किसानों की

भगवान भरोसे प्रदेश का गोवंश : डॉ. पूनिया

जयपुर। राजस्थान प्रदेश के जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, जालोर, सिरोंही सहित समस्त जिलों में लम्पी संक्रमण गावों व अन्य पशुओं में तेजी से फैल रहा है, जिससे लाखों गावों की मौत हो चुकी है और 10 लाख से अधिक गोवंश संक्रमित है, ऐसे में राज्य सरकार के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गावों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गावों के वैक्सिनेशन के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए टोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गावों की भगवान भरोसे छोड़